Aasha Meri Song Lyrics In Hindi Mood Song Love Romantic



हम मैं वह दूरी थी कितनी गहरी
कितना बढ़ा था वो फासला
मायूस होकर स्वर्ग की ओर देखा
निराशा में तेरा नाम लिया
अंधकार हटाकर तेरी मोहब्बत
से मेरा दिल तूने भर दिया
पूरा हुआ सब लिखा गया अंत
येशु मसीही तू है आशा मेरी

किसने था सोचा की ऐसी दया
मिलेगी हमको भरपूर से
युगों का राजा
महिमा को छोड़कर
अपनाया मेरे शर्म और गुनाह
क्रूस से मैंने पायी है माफ़ी
मैं हो गया उस राजा का
सुंदर मसीहा अब मैं हुआ तेरा

येशु मसीहा तू है आशा मेरी

हाल्लेलुया, प्रभु तेरी स्तुती हो,
हाल्लेलुया, तूने हराया मृत्यु को,
तूने तोड़ी हर ज़ंजीर,
तेरे नाम में रिहाई,
येशु मसीह तू है आशा मेरी (2)

आई वो सुबह वादा पूरा हुआ,
बेजान शरीर ने फिर साँसे ली,
ख़ामोशी में से तूने पुकारा,
कब्र तेरी जीत है कहाँ (2)
येशुआ तेरी जय हो सदा

हाल्लेलुया, प्रभु तेरी स्तुती हो,
हाल्लेलुया, तूने हराया मृत्यु को,
तूने तोड़ी हर ज़ंजीर,
तेरे नाम में रिहाई,
येशु मसीह तू है आशा मेरी
येशु मसीह तू है आशा मेरी (2)

Lyrics Meaning In Hindi

गीत का हिंदी में भावार्थ

यह गीत **"Yeshu Masih, Tu Hai Aasha Meri"** यीशु मसीह में मिलने वाली **आशा, प्रेम, क्षमा, उद्धार और मृत्यु पर विजय** के बारे में है। गीतकार अपने जीवन की निराशा और परमेश्वर से दूरी से लेकर यीशु के प्रेम और क्रूस के द्वारा मिली नई आशा तक की यात्रा को व्यक्त करता है।

1. परमेश्वर से दूरी और निराशा

"हम में वो दूरी, थी कितनी गहरी
कितना बड़ा था, वो फ़ासला"

इन पंक्तियों में मनुष्य और परमेश्वर के बीच पाप के कारण पैदा हुई दूरी को दर्शाया गया है। यह केवल भौतिक दूरी नहीं, बल्कि आत्मिक दूरी है।

जब इंसान निराश और असहाय हो जाता है, तब वह ऊपर देखकर परमेश्वर को पुकारता है :

"मायूस होकर, स्वर्ग की ओर देखा
निराशा में तेरा नाम लिया"

अर्थात, जब दुनिया की ओर से कोई उम्मीद नहीं बचती, तब मनुष्य अपनी आशा परमेश्वर में खोजता है।

2. यीशु का प्रेम अंधकार को दूर करता है

"अंधकार हटाकर, तेरी मोहब्बत
से मेरा दिल तूने भर दिया"

यहाँ अंधकार निराशा, पाप, भय और आत्मिक खालीपन का प्रतीक है। यीशु का प्रेम उस अंधकार को हटाकर हृदय को प्रेम और आशा से भर देता है।

"पूरा हुआ सब, लिखा गया अंत
यीशु मसीह, तू है आशा मेरी"

इसका भाव यह है कि यीशु के द्वारा उद्धार की योजना पूरी हुई। इसलिए विश्वास करने वाले के लिए उसकी सबसे बड़ी आशा यीशु मसीह हैं।

3. यीशु ने मनुष्य को अपनाया

"किसने था सोचा, कि ऐसी दया
मिलेगी हमको भरपूरी से"

गीतकार परमेश्वर की अद्भुत दया पर आश्चर्य व्यक्त करता है। मनुष्य अपनी योग्यता के कारण नहीं, बल्कि परमेश्वर की कृपा और प्रेम के कारण दया प्राप्त करता है।

"युगों का राजा महिमा को छोड़कर
अपनाया मेरे शर्म और गुनाह"

यह यीशु के पृथ्वी पर आने और मानवता के लिए स्वयं को देने की ओर संकेत करता है। परमेश्वर का पुत्र होकर भी यीशु ने मनुष्य के पाप और शर्म का भार अपने ऊपर लिया।

4. क्रूस से मिली क्षमा

"क्रूस से मैंने पाई है माफी
मैं हो गया उस राजा का"

क्रूस इस गीत का केंद्रीय संदेश है। ईसाई विश्वास के अनुसार यीशु ने क्रूस पर अपने जीवन का बलिदान देकर पापों की क्षमा का मार्ग खोला।

इसलिए गीतकार कहता है कि अब वह स्वयं का नहीं, बल्कि उस राजा का है।

"सुंदर मसीहा, अब मैं हूँ तेरा
यीशु मसीह, तू है आशा मेरी"

यह समर्पण की भावना है—यीशु ने मुझे अपनाया, इसलिए अब मेरा जीवन भी उसके लिए है।

5. मृत्यु और बंधनों पर विजय

"हल्लेलूयाह, प्रभु तेरी स्तुति हो
हल्लेलूयाह, तूने हराया मृत्यु को"

यह यीशु के पुनरुत्थान की घोषणा है। गीत केवल क्रूस की मृत्यु पर समाप्त नहीं होता ; इसका संदेश पुनरुत्थान और विजय तक जाता है।

"तूने तोड़ी हर ज़ंजीर
तेरे नाम में रिहाई"

ज़ंजीरें यहाँ पाप, भय, अपराधबोध और आत्मिक बंधन का प्रतीक हैं। यीशु में मिलने वाली स्वतंत्रता को गीतकार "रिहाई" के रूप में प्रस्तुत करता है।

6. पुनरुत्थान की सुबह

“आई वो सुबह, वादा पूरा हुआ
बेजान शरीर ने फिर साँसें लीं”

यह यीशु के पुनरुत्थान का वर्णन है। क्रूस के बाद कब्र में रखे गए यीशु तीसरे दिन जी उठे—ईसाई विश्वास की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक।

“खामोशी में से, तूने पुकारा
कब्र, तेरी जीत है कहाँ ?”

यह मृत्यु की शक्ति पर यीशु की विजय को दर्शाता है। कब्र अंतिम स्थान नहीं रही ; पुनरुत्थान ने मृत्यु के ऊपर विजय की घोषणा की।

7. गीत का मुख्य संदेश

पूरे गीत का संदेश एक सरल वाक्य में कहा जा सकता है :

जब इंसान निराशा, पाप और मृत्यु के सामने अपनी आशा खो देता है, तब यीशु मसीह उसके लिए क्षमा, स्वतंत्रता और नई आशा बनते हैं।

इस गीत में चार मुख्य बातें दिखाई देती हैं:

- **दूरी** → परमेश्वर से अलगाव
- **अंधकार** → निराशा और पाप
- **क्रूस** → क्षमा और उद्धार
- **पुनरुत्थान** → विजय और नई आशा

इसलिए बार-बार आने वाली पंक्ति **“यीशु मसीह, तू है आशा मेरी”** पूरे गीत का सार है। यह केवल एक धार्मिक घोषणा नहीं, बल्कि विश्वास की व्यक्तिगत गवाही है—**मेरी परिस्थितियाँ चाहे जैसी हों, मेरी अंतिम आशा यीशु मसीह में है।**

Hum mein woh doori, thi kitni gehri
Kitna bada tha, woh fasla
Mayoos hokar, swarg ki oor dekha
Nirasha mein tera naam liya

Andhkaar hataakar, teri mohabbat
Se mera dil thu ne Bhardhiya
Poora hua sab, likha gaya anth
Yeshu Masih, tu hai Aasha Meri

Kisne tha socha, ki aisi daya
Milegi humko bharpoori se

Yougonga ka raja Mahima ko chhodkar
Apnaya mere sharm aur gunaah
kroos se maine payi hai maafi

Main ho gaya uss raja ka
Sundar masiha, ab mein hun tera
Yeshu Masih, tu hai Aasha Meri

Hallelujah, prabhu teri stuti ho
Hallelujah, tune haraya mruthyu ko
Tune todi har zanjeer
Tere naam mein rihai
Yeshu Masih, tu hai Aasha Meri (2)

Aayi woh subah, wada poora hua
Bejaan shareer ne, fir saansein lin
Khamoshi mein se, tune pukara,
Kabr teri jeet hai kahan (2)
Yeshua, teri jai ho sada

Hallelujah, prabhu teri stuti ho
Hallelujah, tune haraya mruthyu ko
Tune todi har zanjeer
Tere naam mein rihai
Yeshu Masih, tu hai Aasha Meri
Yeshu Masih, tu hai Aasha Meri (2)

Lyrics Meaning in English

The song **“Yeshu Masih, Tu Hai Aasha Meri”** is a Christian worship song about **Jesus Christ as the source of hope, forgiveness, freedom, mercy, and victory over death**.

Verse 1 — The Distance Between Us

The opening describes how deep the separation was between humanity and God. The distance seemed impossible to overcome. In a moment of hopelessness, the singer looked toward heaven and called upon Jesus.

The message is that **when there seemed to be no hope, Jesus became the answer**.

Jesus Fills the Heart With Love

The darkness is removed through Jesus’ love. The singer describes how Jesus filled an empty heart and brought completion where there had been brokenness.

The central declaration is:

“Jesus Christ, You are my hope.”

It means that the singer’s confidence and future are ultimately found in Christ.

Grace and Mercy

The next part expresses amazement at God's mercy. The singer asks, essentially, **"Who could have imagined that we would receive such abundant grace?"**

Jesus, described as the King of the ages, left His glory and took upon Himself humanity's **shame and sin**.

This points to the Christian belief that Jesus willingly humbled Himself and gave His life for humanity.

The Cross and Forgiveness

The cross becomes the place where the singer receives forgiveness.

The meaning is:

Through Jesus' sacrifice on the cross, I have received forgiveness, and I now belong to the King.

The singer is no longer defined by guilt and shame but by belonging to Jesus.

Hallelujah — Victory Over Death

The repeated "Hallelujah" section celebrates Jesus' victory.

Jesus is praised because:

- He defeated death.
- He broke the chains that held people captive.
- Freedom is found in His name.
- He is worthy of praise and worship.

The phrase **"Yeshu Masih, Tu Hai Aasha Meri"** is therefore more than a statement of comfort. It is a declaration of faith:

"Jesus Christ, You are my hope."

The Resurrection

The final verse focuses on the resurrection of Jesus.

The song describes the morning when the promise was fulfilled. Jesus' lifeless body came back to life, and the silence of the tomb was broken.

The question **"Kabr teri jeet hai kahan?"** echoes the biblical theme of victory over the grave:

"Grave, where is your victory?"

Because Jesus rose again, death is no longer presented as the final victory.

Overall Meaning

The entire song follows a powerful spiritual journey:

Separation → Despair → God's Love → Grace → The Cross → Forgiveness → Freedom → Resurrection → Hope

At its heart, the song says that **Jesus came into human darkness, carried our sin and shame, died on the cross, rose from the dead, defeated death, and gives believers hope and freedom.**

So, in simple English, the message of the song is:

"When I was far from God and had no hope, Jesus came to me with His love and mercy. He took my sin and shame, gave me forgiveness through the cross, broke the chains of death, and rose again. Because of Him, I have freedom, and Jesus Christ will always be my hope."

Read the original article at:
https://www.lyricsofgana.com/aasha-meri-song-lyrics-in-hindi-song-love-romantic

SOCIAL MEDIA

Instagram | Facebook | YouTube